Course Outcome
अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी। पाठ्य नाटक से पर-हितार्थ सहयोग तथा त्याग-भावना की प्रवृत्ति उदित होगी। व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य-परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी। संस्कृत संभाषण-लेखन का कौशल विकसित होगा।

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, अभिनयकला तथा व्याकरण Paper Code - Y103

पूर्णांक – 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	नागानन्दनाटकम् अंक – 1,2,3 पर्यन्त (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	नागानन्दनाटकम् अंक – 4,5 (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नाट्यविद्या और रंगकर्म - नाट्य-लक्षण, चतुर्विध अभिनय, कथावस्तु– मुख्य-गौण, रस-प्रकार, नायक-नायिका-भेद। नाट्यशास्त्रीय परिभाषाएँ – नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, स्वगत, प्रकाश, जनान्तिक, अपवारित, कंचुकी, विदूषक, भरतवाक्य।	20
4	समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	20
5	वाच्यभेद – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. नागानन्दनाटक – हर्षवर्धन, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
2. दशरूपकम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका – डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

मूल्यांकन योजना (अधिकतम अंक 75)		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नाट्यविद्या और रंगकर्म) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक

Course Outcome
काव्य के दृश्य-श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा। विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी। पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे। नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा। भारतीय मनीषी तत्त्व-चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी।

बी.ए. द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र - काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्त्वचिन्तक **Paper Code – Y104**

पूर्णांक– 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 1 से 40 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 41से75 तक (व्याख्या तथासमीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत) दो श्लोकों की व्याख्या	20
4	**नाटक** - अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, मृच्छकटिक। **महाकाव्य**- रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, सौन्दरनन्द, किरातार्जुनीय, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेवचरित। **गद्यकाव्य** -वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, शिवराजविजय। **खण्डकाव्य** (गीतिकाव्य एवं मुक्तक) - शतकत्रय (भर्तृहरि),	20

	ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरुकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी। **चम्पूकाव्य** - नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, **कथासाहित्य** –पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर,बृहत्कथामंजरी। (उल्लिखितकृतियोंकेरचनाकारोंकासामान्यपरिचयअपेक्षितहै।)	
5	भारतीय तत्त्वचिन्तक – महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद,पतंजलि, चरक, सुश्रुत।	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. रघुवंशमहाकाव्य – कालिदास, प्रकाशक – मोतीलालबनारसीदास
2. नीतिशतकम् – स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास–आचार्यबलदेवउपाध्याय, प्रकाशक –शारदा मन्दिर, काशी
4. संस्कृतसाहित्यकासमीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद
5. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना (अधिकतम अंक 75)		
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नीतिशतकम्) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक